अनेकांत एजुकेशन सोसाइटी का,

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

चार वर्षीय बी.ए. (हिंदी) डिग्री प्रोग्राम

(कला संकाय)

टी.वाय.बी.ए. (हिंदी) सेमेस्टर-VI

2023 पैटर्न (राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020)

हिंदी विभाग

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(2025-26)

चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम सिलेबस (2023 पैटर्न)

(एनईपी 2020 के अनुसार)

शैक्षणिक वर्ष 2025-2026 से लागू किया जायेगा

कार्यक्रम का शीर्षक: तृतीय वर्ष कला (हिंदी)

प्रस्तावना

अनेकांत एजुकेशन सोसायटी के तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 में उल्लिखित दिशानिर्देशों और प्रावधानों को शामिल करते हुए जून, 2025 से विभिन्न संकायों के पाठ्यक्रम को बदलने का निर्णय लिया है। एनईपी सामान्य (अकादमिक) शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल पर आधारित शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षा के एकीकरण पर जोर देकर समग्र और बहु-विषयक शिक्षा का परिचय देता है जो छात्रों में रुचि विकसित करने में मदद करेगा।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में तेजी से प्रगति के कारण हिंदी और संबंधित विषयों को विकसित दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर, तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती-पुणे के हिंदी अध्ययन मंडळ ने एस.वाय.बी.ए.(हिंदी) के तृतीय सेमेस्टर के लिए पाठ्यक्रम विकसित किया है। जो पारंपरिक शैक्षणिक सीमाओं से परे है। पाठ्यक्रम को एनईपी 2020 दिशानिर्देशों के साथ संरेखित किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों को ऐसी शिक्षा मिले जो उन्हें चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करे।

हिंदी विषय की उपाधि छात्रों को ज्ञान और कौशल के साथ सुसज्जित करती है जो कैरियर को पूरा करने के लिए आवश्यक है। हिंदी में स्नातक छात्रों को ज्ञान प्रदान करने के साथ स्वस्थ मनोविनोद एवं मनोरंजन की शिक्षा देना, हिंदी भाषा-शैली से अवगत कराना, हिन्दी साहित्य एवं भाषा के प्रति अनुराग का विकास करना, जीवन के प्रति यथार्थता एवं स्वाभाविकता का बोध कराना, आदर्श जीवन के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना, विचार, कल्पना शक्ति, तर्क शक्ति का विकास करना, भावनात्मक तथा चारित्रिक गुणों को विकसित करना, सामाजिकता एवं राष्ट्रीयता की भावना का विकास करना, साहित्य का अन्तिम उद्देश्य सत्यं-शिवं-सुंदरं की प्राप्ति करना आदि मानवीय तथा नैतिक मूल्यों को विकसित कर छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर तलाशते हैं।

कुल मिलाकर, एनईपी 2020 के अनुसार हिंदी पाठ्यक्रम को संशोधित करना सुनिश्चित करता है कि छात्रों को प्रासंगिक, व्यापक शिक्षा मिले और उन्हें आज की गतिशील बनाने के लिए तैयार किया गया है । यह उन्हें समाज में सार्थक योगदान देने और तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में अपने शैक्षणिक और व्यावसायिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है।

Programme Outcomes (POs)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसार बी.ए. डिग्री कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम परिणाम।

प्रभावी शैक्षणिक वर्ष 2025-2026

PO1	**आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच(Critical and Creative Thinking)** : स्नातक ज्ञान के एक समूह में विश्लेषणात्मक विचार को लागू करने की क्षमता प्रदर्शित करेंगे, जिसमें नीतियों और प्रथाओं के विश्लेषण और मूल्यांकन के साथसाथ साक्ष्य-, तर्क, दावे, विश्वास और साक्ष्य की विश्वसनीयता और प्रासंगिकता शामिल है। स्नातक समान वस्तुओं या परिदृश्यों के बारे में अलगअलग और विविध तरीकों से बनाने-, प्रदर्शन करने या सोचने, समस्याओं और स्थितियों से निपटने की क्षमता प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे।
PO2	**संचार कौशल (Communication Skill):** स्नातक उन कौशलों का प्रदर्शन करने में सक्षम होंगे जो उन्हें सक्षम बनाते हैंध्यान से सुनना :, ग्रंथों और शोध पत्रों को विश्लेषणात्मक रूप से पढ़ना और जटिल जानकारी को स्पष्ट और संक्षिप्त तरीके से विभिन्न समूहोंदर्शकों के सामने प्रस्तुत करना/, विचारों को लिखित और मौखिक रूप से प्रभावी ढंग से व्यक्त करना। और उचित मीडिया का उपयोग करके दूसरों के साथ संवाद करें, आत्मविश्वास से विचार साझा करें और खुद को अभिव्यक्त करें।
PO3	**बहुसांस्कृतिक क्षमता (Multicultural Competence) :** स्नातकों को कई संस्कृतियों के मूल्यों और विश्वासों का ज्ञान प्राप्त होगा और विविधता का सम्मान करने के लिए एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य, एक बहुसांस्कृतिक समूहसमाज में प्रभावी ढंग से जुड़ने और विविध समूहों के साथ सम्मानपूर्वक बातचीत करने / की क्षमता होगी।
PO4	**अनुसंधान कौशल (Research Skills) :** स्नातक अवलोकन, पूछताछ की गहरी समझ और प्रासंगिकउचित प्रश्न पूछने की क्षमता/, समस्याओं को हल करने, संश्लेषित करने और मुद्दों को स्पष्ट करने और अनुसंधान प्रस्तावों को डिजाइन करने की क्षमता, समस्याओं को परिभाषित करने की क्षमता, उपयुक्त तैयार करने में सक्षम होंगे। प्रासंगिक शोध प्रश्न, परिकल्पना तैयार करना, मात्रात्मक और गुणात्मक डेटा का उपयोग करके परिकल्पना का परीक्षण करना, परिकल्पना स्थापित करना, डेटा के विश्लेषण और व्याख्या के आधार पर अनुमान लगाना और कारणप्रभाव संबंधों की भविष्यवाणी करना-और-।
PO5	**पर्यावरण जागरूकता (Environmental awareness) :** स्नातकों को उचित कार्रवाई करने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल, दृष्टिकोण और मूल्यों को प्राप्त करने और लागू करने की क्षमता प्रदर्शित करने में सक्षम होना चाहिएपर्यावरणीय गिरावट :, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण के प्रभावों को कम करना, प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन, जैविक विविधता का संरक्षण, जैविक संसाधनों और जैव विविधता का प्रबंधन, वन और वन्यजीव संरक्षण, और सतत विकास और जीवनयापन।
PO6	**समस्यासमाधान क्षमताएँ- (Problem-solving Abilities) :**स्नातक नवीन और अंतःविषय दृष्टिकोण के माध्यम से जटिल सामाजिक, सांस्कृतिक और कलात्मक चुनौतियों को पहचानने और संबोधित करने में कुशल होंगे।

PO7	**सहयोग और टीम वर्क (Collaboration and Teamwork) :**स्नातक विविध टीमों के साथ प्रभावी ढंग से और सम्मानपूर्वक काम करने की क्षमता प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे, एक समूह की ओर से सहकारी या समन्वित प्रयास की सुविधा प्रदान करेंगे, एक सामान्य कारण के हित में एक समूह या टीम के रूप में मिलकर कार्य करेंगे और एक टीम के सदस्य के रूप में कुशलतापूर्वक कार्य करें।
PO8	**मूल्य समावेशन (Value inculcation) :** स्नातक ज्ञान और दृष्टिकोण के अधिग्रहण का प्रदर्शन करने में सक्षम होंगे जो जीवन में संवैधानिक, मानवतावादी, नैतिक और नैतिक मूल्यों को अपनाने और अभ्यास करने के लिए आवश्यक हैं, जिसमें सत्य, धार्मिक आचरण, शांति, प्रेम, अहिंसा के सार्वभौमिक मानवीय मूल्य शामिल हैं। , वैज्ञानिक स्वभाव, नागरिकता मूल्य, समसामयिक वैश्विक चुनौतियों का जवाब देने के लिए जिम्मेदार वैश्विक नागरिकता का अभ्यास करना, शिक्षार्थियों को वैश्विक मुद्दों के बारे में जागरूक होने और समझने और अधिक शांतिपूर्ण, सहिष्णु, समावेशी, सुरक्षित और टिकाऊ समाज के सक्रिय प्रवर्तक बनने में सक्षम बनाना आवश्यक है।
PO9	**डिजिटल और तकनीकी कौशल(Digital and technological skills) :** स्नातक विभिन्न प्रकार की सीखने और कार्य स्थितियों में आईसीटी का उपयोग करने, विभिन्न प्रासंगिक सूचना स्रोतों तक पहुंच, मूल्यांकन और उपयोग करने और डेटा के विश्लेषण के लिए उपयुक्त सॉफ़्टवेयर का उपयोग करने की क्षमता प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे।
PO10	**सामुदायिक जुड़ाव और सेवा (Community Engagement and Service) :** स्नातक समाज की भलाई को बढ़ावा देने के लिए समुदाय से जुड़ी सेवाओंगतिविधियों में भाग लेने की क्षमता प्रदर्शित करने में सक्षम / होंगे।

Programme Specific Outcomes (PSOs)

PSO1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा की प्रारंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी।

PSO2. भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ-साथ व्यावसायिक पक्षों को भी जाना जा सकेगा।

PSO3. उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका और उससे संबंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा।

PSO4. छात्र हिंदी भाषा सीखने की प्रक्रिया में भाषागत व्याकरणिक रूप को जान सकेंगे।

PSO5. व्यवसायिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए भाषा, अनुवाद, कंप्यूटर जैसे विषयों को हिंदी से जोड़कर रोजगार के लिए आवश्यक योग्यता का विकास किया जा सकेगा।

PSO6. साहित्य की कविता, कहानी और नाटक जैसी विधाओं द्वारा छात्रों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना।

PSO7. साहित्य के सौंदर्य, कला बोध के साथ वैचारिक मूल्यों को बढ़ावा देना।

PSO8. लेखन के माध्यम से छात्रों में लेखन कौशल विकसित होगा।

PSO9. छात्रों में मानवीय मूल्यों को विकसित करना।

PSO10. छात्रों में शोध के प्रति जागरूकता को बढ़ा सकेंगे।

PSO11. सोशल मीडिया के माध्यमों से छात्र परिचित होंगे, जिससे लेखन, निवेदन कौशल विकसित कर उन्हें रोजगार का सुअवसर प्रदान होगा।

PSO13. छात्र विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद का बढ़ते महत्व से परिचित होंगे।

PSO14. छात्र लघु फिल्म का लेखन और निर्माण कर सकेंगे ।

PSO15. हिंदी भाषा में इंटरनेट और वेबसाइटों का प्रयोग की जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।

PSO16. छात्र निवेदन कौशल के माध्यम से आकाशवाणी, दूरदर्शन पर रोजगार के सुअवसर प्राप्त कर पाएंगे ।

अनेकांत एजुकेशन सोसाइटी का,

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

हिंदी अध्ययन मंडल

(2025-26 से 2027-28 तक)

अ.क्र.	नाम	पदनाम
1.	डॉ. प्रदीप सरवदे	अध्यक्ष एवं विभाग प्रमुख
2.	प्रो.(डॉ.) सुनील बनसोडे	सदस्य
3.	डॉ. बनसिंग भोई	सदस्य
4.	प्रो.(डॉ.) राजेंद्र खैरनार	सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय प्रतिनिधि
5.	प्रो.(डॉ.) नितिन धवडे	अन्य विश्वविद्यालय प्रतिनिधि
6.	प्रो.(डॉ.) गोरख बनसोडे	अन्य विश्वविद्यालय प्रतिनिधि
7.	डॉ. राजेंद्र श्रीवास्तव	प्रोद्योगिकी प्रतिनिधि
8.	प्रा. अच्युत शिंदे	भूतपूर्व छात्र प्रतिनिधि
9.	श्री. स्वप्निल गावडे	छात्र प्रतिनिधि (स्नातक)
10.	कु. निकिता गावडे	छात्र प्रतिनिधि (स्नातक)

Credit Distribution Structure for T.Y.B.A.(Hindi)- 2023 Pattern 2025-2026

Level	Semester	Major		Minor	OE	VSC, SEC, (VSEC)	AEC, VEC, IKS	OJT, FP, CEP, CC, RP	Cum. Cr / Sem	Degree/Cum.Cr.
		Mandatory	Electives							
4.5	V	HIN-301-MJM हिंदी साहित्य का इतिहास (आदि,भक्ति एवं रीति) (4 credits)	HIN-304-MJE(A) जनसंचार माध्यम (4credits)	HIN-311-MN साहित्य तरंग (4 credits)	--	HIN-321-VSC वृत्तांत लेखन (2 credits)	--	HIN-235-CEP HIN-235-FP	22	UG Certificate 44 credits
		HIN -302-MJM हिंदी भाषा का विकास) (4 credits)	HIN-304-MJE(B) पत्रकारिता (4credits)							
		HIN-303-MJM हिंदी साहित्य और सिनेमा (2 credits)								
	VI	HIN-351-MJM हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) (4 credits)	HIN-354-MJE(A) व्यंग्य साहित्य (4credits)	HIN-361-MN साहित्य लहरी (4 credits)	-	-	-	HIN-358-OJT	22	
		HIN-352-MJM भाषा विज्ञान (4 credits)	HIN-354-MJE(B) निबंध साहित्य (4credits)							
		HIN-353-MJM पटकथा लेखन (2 credits)								
	Cum Cr.	**20**	**08**	**08**	**-**	**02**	**-**	**06**	**44**	

Course Structure for T.Y.B.A.,Hindi2023 Pattern (2020 NEP Pattern)2025-26

Sem	Course Type	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	No. of Credits
V	Major (Mandatory)	HIN-301-MJM	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल)	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN-302-MJM	हिंदी भाषा का विकास	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN-303-MJM	हिंदी साहित्य और सिनेमा	Theory	02
	Minor Elective(MJE)	HIN-304-MJE(A)	जनसंचार माध्यम	Theory (Any One)	04
	Minor Elective(MJE)	HIN-304-MJE(B)	पत्रकारिता		
	Minor	HIN-311-MN	साहित्य तरंग	Theory	04
	Vocational Skill Course (VSC)	HIN-321-VSC	वृतांत लेखन	Theory	02
	Community Engagement Project (CEP) Field Project	HIN-235-CEP/ HIN-235-FP		Practical	02
	Total Credits Semester-V				**22**
VI	Major (Mandatory)	HIN-351-MJM	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN-352-MJM	भाषा विज्ञान	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN-353-MJM	पटकथा लेखन	Theory	02
	Minor Elective(MJE)	HIN-354-MJE(A)	व्यंग्य साहित्य	Theory (Any One)	04
	Minor Elective(MJE)	HIN-354-MJE(B)	निबंध साहित्य		
	Minor	HIN-361-MN	साहित्य लहरी	Theory	04
	On Job Training (OJT)	HIN-358-OJT		Practical	04
	Total Credits Semester-VI				**22**
	Cumulative Credits Semester V + Semester-VI				**44**

स्नातक तृतीय वर्ष कला [TYBA] SEMISTER – VI

Major – हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

PAPER CODE : HIN-351-MJM

[2025-26]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR TYBA

(w. e. from June, 2025)

Name of the Programme	: B.A. Hindi
Program Code	: HIN
Class	: T.Y.B.A.
Semester	: VI
Course Type	: Major Mandatory
Course Name	: हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
Course Code	: HIN-351-MJM
No. of Lectures	: 60
No. of Credits	: 04

A)उद्देश्य (Course Objectives):

1. हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा से अवगत करना ।
2. हिंदी साहित्य के इतिहास के कालखंडों के नामकरण एवं पृष्ठभूमि का परिचय देना ।
3. साहित्य कृतियों और साहित्यकारों पर छात्रों द्वारा स्वाध्याय एवं आलेख लेखन।
4. हिंदी साहित्य के इतिहास पर वस्तुनिष्ठ एवं लघुतरी प्रश्न।
5. हिंदी साहित्य की प्रतिनिधि रचनाओं और रचनाकारों का महत्त्व, विकासक्रम, साहित्य के परिवर्तनों के कारण तथा परवर्ती प्रभाव विशद करना।
6. हिंदी साहित्य के इतिहास के माध्यम से साहित्य और युगजीवन का संबंध विशद करना।
7. आधुनिक युग की सामाजिक, राजनितिक धार्मिक, साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों के बदलाव के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य में आए हुए बदलाव से छात्रों को अवगत कराना।

B)अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-हिंदी साहित्य के इतिहास अध्ययन से छात्रों को भारतीय संस्कृति का परिचय होगा।

CO2-इतिहास के अध्ययन द्वारा किसी राष्ट्र के उत्थान के साथ साथ उसके पतन की परिस्थिति से छात्र अवगत होंगे।

CO3-इतिहास के अध्ययन से मानव की सभ्यता से अवगत करने के साथ वही सभ्यता की सिख छात्रों में निर्माण होंगी।

CO4-इतिहास से सम्बंधित ग्रंथ हिंदी के विद्वान आदि का परिचय देकर छात्रों में शोधार्थी की दृष्टि विकसित होंगी।

CO5-इतिहास ही पथ दर्शक होता है, छात्रों में वही दृष्टि विकसित होंगी।

CO6-इतिहास कालीन भाषा, ग्रंथ, रचना, रचनाकार आदि का परिचय देकर छात्रों में ज्ञानवर्धन होगा।

CO7-आधुनिक युग की सामाजिक, राजनितिक धार्मिक, साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों के बदलाव के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य में आए हुए बदलाव से छात्रपरिचित होंगे।

पाठ्यक्रम
हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
PAPER CODE : HIN-351-MJM

पाठ्यविषय :

इकाई नं.1 : पद्य साहित्य का इतिहास 20 तासिकाएं

i) निम्नलिखित काव्यधाराओं का सामान्य परिचय

भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, साठोत्तरी कविता, उत्तरशती की कविता

ii) निम्नलिखित कवियों का परिचय-

महादेवी वर्मा, निराला, अज्ञेय, धूमिल, दुष्यंत कुमार, जयप्रकाश कर्दम, निर्मला पुतुल

iii) निम्नलिखित रचनाओं का परिचय : प्रिय प्रवास, उर्वशी, सदियों का संताप

इकाई नं. 2 : गद्य साहित्य का इतिहास 20 तासिकाएं

i) निम्नलिखित गद्य विधाओं का विकासात्मक संक्षिप्त परिचय -

उपन्यास, नाटक, आत्मकथा, निबंध

ii) निम्नलिखित गद्यकारों का परिचय -

महावीरप्रसाद द्विवेदी, प्रेमचंद, यशपाल, श्रीलाल शुक्ल, ओमप्रकाश वाल्मीकि, ममता कालिया

iii) निम्नलिखित रचनाओं का संक्षिप्त परिचय-

गोदान, मैला आँचल, अंधा युग, शिकंजे का दर्द

इकाई नं.3 : आधुनिक साहित्य के आधुनातन आयाम 20 तासिकाएं

i)दलित विमर्श का सामान्य परिचय

ii) स्त्री विमर्श का सामान्य परिचय

iii) किसान विमर्श का सामान्य परिचय

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
3. हिंदी साहित्य का इतिहास– संपादक डॉ.नगेंद्र
4. हिंदी साहित्य का इतिहास– डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
5. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ– डॉ. गोविंदराम शर्मा
6. हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ – डॉ. शिवकुमार शर्मा
7. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियॉ- डॉ जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल
8. हिंदी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहासडॉ. राजनाथ शर्मा
9. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास-बाबू गुलाबराय
10. हिंदी साहित्य कादूसरा इतिहास– डॉ. बच्चन सिंह
11. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. विजयपाल सिंह
12. हिंदी साहित्य काइतिहास – डॉ. श्रीनिवास शर्मा

*****

Choice Based Credit System Syllabus (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **TYBA** (Sem -VI) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: **HIN-351-MJM**

Tittle ofCourse :हिंदी साहित्य काइतिहास (आधुनिक काल)

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)							
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8
CO 1		3						
CO 2				3				
CO 3						3		
CO 4	3		2				2	3
CO 5						2		
CO 6					3			
CO 7						3		
CO 8								

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल:

CO4-इतिहास से सम्बंधित ग्रंथ, हिंदी के विद्वान आदि के परिचय से छात्रों में शोध की दृष्टि विकसित होंगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता:

CO1-हिंदी साहित्य के इतिहास अध्ययन से छात्र भारतीय संस्कृति से परिचित होकर उनका नैतिक विकास होगा।

PO3: सामाजिक क्षमता:

CO4 -छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना विकसित होगी ।

PO4:अनुशासनात्मक ज्ञान:

CO2-इतिहास के अध्ययन द्वारा किसी राष्ट्र के उत्थान के साथ साथ उसके पतन की परिस्थितियों से छात्र अवगत होंगे।

PO5:व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता:

CO6-इतिहास कालीन भाषा, ग्रंथ, रचना, रचनाकार आदि के परिचय से छात्रों में व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता का विकास होगा।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना:

CO3-इतिहास के अध्ययन से मानव की सभ्यता से अवगत करने के साथ वही सभ्यता की सिख छात्रों में निर्माण होंगी।

CO5-इतिहास पथ दर्शक होता है, छात्रों में वही दृष्टि विकसित होकर वेस्व-निर्देश से जीवनभर सीखेंगे।

CO7-आधुनिक युग की सामाजिक, राजनितिक धार्मिक, साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों के बदलाव के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य में आए हुए बदलाव से छात्र परिचित होंगे।

PO7:पर्यावरण और स्थिरता:

CO4-छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना को प्रकृति के साथ जोड़ने में मदत होगी।

PO8:आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान:

CO4-इतिहास से सम्बंधित ग्रंथ, हिंदी के विद्वान आदि के परिचय से छात्रों में शोध की दृष्टि विकस होकर वे हर समस्या का समाधान ढूढेंगे।

स्नातक तृतीय वर्ष कला [TYBA] SEMISTER – VI

Major – भाषा विज्ञान

PAPER CODE : HIN-352-MJM

[2025-26]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR TYBA

(w. e. from June, 2025)

Name of the Programme	: B.A. Hindi
Program Code	: BAHIN
Class	: T.Y.B.A.
Semester	: VI
Course Type	: Major Mandatory
Course Name	: भाषा विज्ञान
Course Code	: HIN-352-MJM
No. of Lectures	: 60
No. of Credits	: 04

A) उद्देश्य (Course Objectives):

1 छात्रों को भाषा की परिभाषा, स्वरूप तथा उसकी विषताओं की जानकारी देना।

2. छात्रों को भाषा के विविध रूपों से परिचित कराना।

3. छात्रों को हिंदी की बोलियों का वर्गीकरण तथा क्षेत्र से परिचित कराना।

4. हिंदी के शब्द भंडार एवं व्याकरणिक स्वरूप से परिचित कराना।

5. छात्रों को हिंदी के संवैधानिक स्वरूप तथा राष्ट्रभाषा का प्रचार करनेवाली संस्थाओं से परिचित कराना।

6. भाषा विज्ञान के अंगों तथा भाषा विज्ञान की शाखाओं का परिचय कराना।

7. लिपि के स्वरूप एवं उत्पत्ति का इतिहास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता की जानकारी देना।

B) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-छात्रों में भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन की दृष्टि निर्माण होंगी।

CO2-हिंदी भाषी प्रदेशो में बोली जाने वाली बोलियों से छात्र परिचित होंगे।

CO3-हिंदी भाषा के विस्तृत शब्द भंडार से छात्र परिचित होकर उसका प्रयोग करेंगे।

CO4-छात्र हिंदी भाषा के व्याकरणिक स्वरूप से परिचित होकर उसका प्रयोग करेंगे।

CO5-साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान की उपयोगिता से अवगत होंगे।

CO6-देवनागरी लिपि की उत्पत्ति तथा उसकी वैज्ञानिकता को समझेंगे।

CO7-छात्रों में भाषा के प्रति संशोधन वृत्ति विकसित होंगी।

पाठ्यक्रम

Major – भाषा विज्ञान

PAPER CODE : HIN-352-MJM

पाठ्यविषय :

इकाई नं.1 : 1. भाषा विज्ञान – परिभाषा, भाषा विज्ञान के अंग - 20 तासिकाएं

ध्वनि विज्ञान, पद विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान आदि का सामान्य परिचय

2. ध्वनि विज्ञान - ध्वनि विज्ञान की परिभाषा, ध्वनि यंत्र और उनकी कार्यप्रणालियाँ,
ध्वनियों के भेद – स्वर और व्यंजन, स्वरों का वर्गीकरण, व्यंजनों का वर्गीकरण (स्थान और प्रयत्न के आधार पर)

इकाई नं.2 : 3. पद विज्ञान - पद की परिभाषा, शब्द और पद, अर्थतत्त्व और संबंधतत्व 20 तासिकाएं

4. वाक्य विज्ञान - वाक्य की परिभाषा, वाक्य की आवश्यकताएँ, वाक्य के भेद (रचना, अर्थ, क्रिया के आधार पर)

इकाई नं.2 : 5. अर्थ विज्ञान - अर्थ की परिभाषा, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण। 20 तासिकाएं

6. राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रसार करनेवाली संस्थाओं का सामान्य परिचय -

1. काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग
3. दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास(चेन्नई)
4. राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा
5. महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे

संदर्भ ग्रंथ-

1. भाषा विज्ञान की भूमिका –डॉ. देवेद्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भाषा विज्ञान –डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
3. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र –डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविदयालय प्रकाशन, वाराणसी
4. हिंदी भाषा का इतिहास –डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. अभिनव भाषा विज्ञान –डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, निराली प्रकाशन, पुणे
6. हिंदी भाषा का स्वरूप विकास –डॉ. जगत पाल शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली110 002

*****

Choice Based Credit System Syllabus (2022 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **TYBA** (Sem- VI) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN-352-MJM

Tittle of Course :भाषा विज्ञान

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)							
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8
CO 1			3					
CO 2		3	2					
CO 3					3	3		
CO 4					3	3		
CO 5						3	1	
CO 6				3				
CO 7	3							3
CO 8								

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान संबंधित कौशल:

CO7-छात्रों में भाषा अध्ययन से अनुसंधान संबंधित कौशल विकसित होकर संशोधन वृत्ति विकसित होंगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता:

CO2-हिंदी भाषी प्रदेशमें बोली जानेवाली बोलियों से छात्र परिचित होकर उनमें नैतिकता का विकासहोगा।

PO3: सामाजिक क्षमता:

CO1-छात्रों में भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन की दृष्टि निर्माण होकर उनमें सामाजिक क्षमता का विकास होगा।

CO2-हिंदी भाषी प्रदेशमें बोली जानेवाली बोलियों से छात्र परिचित होकर उनमें नैतिकता का विकास होकर उनमें सामाजिक क्षमता विकसित होंगी।

PO4:अनुशासनात्मक ज्ञान:

CO6-देवनागरी लिपि की उत्पत्ति तथा उसकी वैज्ञानिकता से अनुशासनात्मक ज्ञान को प्राप्त कर सकेंगे।

PO5:व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता:

CO3-हिंदी भाषा के विस्तृत शब्द भंडार से समृद्ध होकर छात्र उसका व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता पाने हेतु प्रयोग करेंगे।

CO4-छात्र हिंदी भाषा के व्याकरणिक स्वरूप से अवगत होकर भाषिक कौशल को विकसित कर अपने आपको समृद्ध कर पाऐंगे।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना:

CO3-हिंदी भाषा के विस्तृत शब्द भंडार से समृद्ध होकर छात्र उसका नवीन ज्ञान पाने हेतु प्रयोग करेंगे।

CO4-छात्र हिंदी भाषा के व्याकरणिक स्वरूप से अवगत होकर भाषिक कौशल को विकसित कर पाऐंगे।

CO5-साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता से छात्र जीवनभर सीखेंगे।

PO7:पर्यावरण और स्थिरता:

CO5-साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान की उपयोगिता को प्रादेशिक विशेषताओं के आधार से छात्र जीवनभर सीखेंगे।

PO8:आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान:

CO7-छात्रों में भाषा अध्ययन सेअनुसंधान संबंधित कौशल विकसित होकर संशोधन वृत्ति विकसित होंगी।

स्नातक तृतीय वर्ष कला [TYBA] SEMISTER – VI

Major – पटकथा लेखन

PAPER CODE : HIN-353-MJM

[2025-26]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR TYBA

(w. e. from June, 2025)

Name of the Programme	: B.A. Hindi
Program Code	: BAHIN
Class	: T.Y.B.A.
Semester	: VI
Course Type	: Major Mandatory
Course Name	: पटकथा लेखन
Course Code	: HIN-353-MJM
No. of Lectures	: 30
No. of Credits	: 02

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

1. छात्रों को पटकथा से परिचित कराना।
2. छात्रों को पटकथा लेखन कौशल से अवगत कराना ।
3. छात्रों में लेखन और वाचन कौशल की वृद्धि कराना।
4. छात्रों को पटकथा लेखन के विविध स्रोत और उसके विविध प्रकारों से परिचित कराना।
5. छात्रों को रोजगार की उपलब्धि की दृष्टि से पटकथा लेखन के महत्व को समझाना।
6. छात्रों की सृजनात्मक शक्ति विकसित करना।
7. छात्रों को पटकथा लेखन की विभिन्न शैलियों को समझाना।

B) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

1. छात्रों को पटकथा और सामान्य कथा के मूलभूत अंतर से परिचित कराना।
2. छात्र पटकथा लेखन कौशल से परिचित होंगेA
3. छात्रों में लेखन और वाचन कौशल की वृद्धि होंगी।
4. छात्र हिंदी में पटकथा -लेखन के तकनीकी पक्षों से परिचित हो जायेंगे।
5. छात्र टी. वी. सिरिअल और सिनेमा के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।
6- छात्र पटकथा लेखन कौशल से प्रशिक्षित होंगे।
7. आकाशवाणी, दूरदर्शन, टी. वी. चैनलों के लिए वृत्तचित्र (डाक्यूमेंट्री), धारावाहिक,लघु फिल्मों आदि के लिए पटकथा तैयार कर सकेंगे।
8. छात्रों की सृजनात्मक शक्ति विकसित होंगी।
9. छात्र पटकथा लेखन की विभिन्न शैलियों को समझेंगे।

पाठ्यक्रम

Major – पटकथा लेखन

PAPER CODE : HIN-353-MJM

पाठ्यविषय :

इकाई – 1. 1. पटकथा : अर्थ और परिभाषा — 10 तासिकाएं
2. पटकथा का स्वरूप
3. पटकथा का महत्व

इकाई – 2. 1. पटकथा लेखन के विविध स्रोत — 10 तासिकाएं
2. पटकथा की गुण और विशेषताएं
3. पटकथा लेखन के अनिवार्य तत्व

इकाई – 3. 1. पटकथा लेखन के चरण - विचार, घटना, पात्रयोजना, दृश्य विभाजन, संवाद लेखन, क्लाइमेक्स — 10 तासिकाएं
2. पटकथा लेखन के प्रकार – फीचर फिल्म की पटकथा, वृत्तचित्र की पटकथा, धारावाहिक की पटकथा, उद्घोषक की पटकथा आदि
3. प्रत्यक्ष कार्य

संदर्भ ग्रंथ :

1. पटकथा लेखन : एक परिचय - जोशी, मनोहर श्याम
2. पटकथा कैसे लिखें - पांडे राजेंद्र
3. कथा – पटकथा - मन्नू भंडारी
4. पटकथा लेखन फीचर फिल्म - उमेश राठौर
5. कथा पटकथा संवाद - हूबनाथ पाण्डे

****

Choice Based Credit System Syllabus (2022 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **TYBA** (Sem- VI) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: **HIN-353-MJM**

Tittle of Course : पटकथा लेखन

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)							
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8
CO 1				3				
CO 2								
CO 3	3							2
CO 4					3			
CO 5	3		3		2	3		3
CO 6		3					3	
CO 7								
CO 8								

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान संबंधित कौशल:

CO3-छात्रों में पटकथा लेखन के सृजन से अनुसंधानात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

CO5-हिंदी पटकथा लेखन के माध्यम से छात्रों में छुपे कौशल गुणों का विकास होकर वे व्यावसायिक क्षमता पाने हेतु प्रयास करेंगे।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता:

CO6- छात्र पटकथाकारों से परिचित होकर सामाजिक प्रश्नो रखते हुए अपने दायित्व के प्रति सजग हो जाऐंगे ।

PO3: सामाजिक क्षमता:

CO5-छात्रों में पटकथा लेखन का कौशल विकसित होकर उनमें सामाजिक क्षमता का विकास होगा।

PO4:अनुशासनात्मक ज्ञान:

CO1- छात्रों को पटकथा और सामान्य कथा के मूलभूत अंतर से परिचित कराना।

PO5:व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता:

CO4-हिंदी पटकथा लेखन के माध्यम से छात्रों में छुपे कौशल गुणों का विकास होकर वे व्यावसायिक क्षमता पाने हेतु प्रयास करेंगे।

CO5- पटकथा लेखन के माध्यम से छात्र टी. वी. सिरिअल और सिनेमा के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना:

CO5- आकाशवाणी, दूरदर्शन, टी. वी. चैनलों के लिए वृत्तचित्र (डाक्यूमेंट्री), धारावाहिक,लघु फिल्मों आदि के लिए पटकथा तैयार कर सकेंगे।

PO7:पर्यावरण और स्थिरता:

CO6- पटकथा लेखन के अध्ययन से छात्र विभन्न समस्याओं के बारे में परिचित होकर उसका समाधान ढूँढना सीखेंगे।

PO8:आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान:

CO5- पटकथा लेखन के माध्यम से छात्रों में छुपे कौशल गुणों का विकास होकर वे व्यावसायिक क्षमता पाने हेतु प्रयास करेंगे।

CO3- पटकथा लेखन के रचनात्मक विधि से परिचित होकर पटकथा लेखन कौशल से प्रशिक्षित होंगे।

स्नातक तृतीय वर्ष कला [TYBA] SEMISTER – VI

Major Elective – व्यंग्य साहित्य

PAPER CODE : HIN-354-MJE(A)

[2025-26]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR TYBA

(w. e. from June, 2025)

Name of the Programme	: B.A. Hindi
Program Code	: BAHIN
Class	: T.Y.B.A.
Semester	: VI
Course Type	: Major Elective
Course Name	: व्यंग्य साहित्य
Course Code	: HIN-354-MJE (A)
No. of Lectures	: 60
No. of Credits	: 04

A) उद्देश्य (Objectives):

1 छात्रों को व्यंग्य की परिभाषा, स्वरूप तथा उसकी विशेषताओं की जानकारी देना।

2. छात्रों को व्यंग्य साहित्य के विविध रूपों से परिचित कराना।

3. छात्रों को हिंदी साहित्य में व्यंग्य विधा की परंपरा से परिचित कराना।

4. छात्रों को हिंदी साहित्य के व्यंग्य विधा का भेद एवं उसके स्वरूप से परिचित कराना।

5. छात्रों को हिंदी के विभिन्न व्यंग्य रचनाकारों से परिचित कराना।

6. छात्रों को व्यंग्य रचनाकारों की रचना का परिचय कराना।

7. छात्रों को हिंदी साहित्य में व्यंग्य लेखन का उद्देश्य एवं उसकी आवश्यक की जानकारी देना।

B)अपेक्षित परिणाम (Outcomes) :

CO1- छात्रों में व्यंग्य साहित्य के कारण आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होगी ।

CO2- छात्र व्यंग्य साहित्य के विविध रूपों से परिचित होंगे ।

CO3- छात्र व्यंग्य साहित्य के रचनात्मक विधि से परिचित होंगे।

CO4- छात्र हिंदी साहित्य में व्यंग्य लेखन का उद्देश्य एवं उसकी आवश्यक की जानकारी देंगे ।

CO5- व्यंग्य साहित्य के माध्यम से छात्रों में छुपे कौशल गुणों का विकास होकर वे व्यावसायिक क्षमता पाने हेतु प्रयास करेंगे।

CO6- छात्र व्यंग्य रचनाकारों की रचनाओं से परिचित हो कर सामाजिक दायित्व के प्रति सजग हो जाऐंगे ।

CO7- छात्रों में व्यंग्य साहित्य के सृजन से अनुसंधानात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

पाठ्यक्रम

Major Elective – व्यंग्य साहित्य

PAPER CODE : HIN-354-MJE(A)

पाठ्यपुस्तक : आधुनिक श्रेष्ठ व्यंग्य – संपा. डॉ. घनश्याम अग्रवाल,
विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा.

इकाई-1 : 1. व्यंग्य का उद्गम — 20 तासिकाएं

2. व्यंग्य की परिभाषा
3. हिंदी साहित्य में व्यंग्य की परंपरा
4. व्यंग्य के भेद
5. व्यंग्य लेखन का उद्देश्य

इकाई-2 : 1. प्रेम की बिरादरी – हरिशंकर परसाई — 20 तासिकाएं

2. उधार मांगना भी एक कला है – बरसानेलाल चतुर्वेदी
3. भगवान की औकात – डॉ. नरेंद्र कोहली
4. मेरी मौत के बाद – लतीफ घोंघी

इकाई- 3 : 5. मुख्यमंत्री का डडा - डॉ. सुदर्शन मजीठिया — 20 तासिकाएं

6. परनिंदा - अमृतलाल नागर
7. भूतपूर्व प्रेमिकाओं के पत्र – शरद जोशी
8. प्रशंसा के चक्कर में फंसकर - गोपाल प्रसाद व्यास

संदर्भ ग्रंथ–

1.हिंदी व्यंग्य का इतिहास – चंदर सुभाष, भावना प्रकाशन, नई दिल्ली.

2. आधुनिक श्रेष्ठ व्यंग्य – संपा. डॉ. घनश्याम अग्रवाल, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा.

3. हिंदी साहित्य में व्यंग्य का विकास – डॉ. ललित यादव, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली.

4 . आधुनिक हिंदी हास्य- व्यंग्य – संपा. केशवचंद्र वर्मा, भारतीय ज्ञानपीठ ,काशी.

5. हिंदी व्यंग्य विधा शास्त्र और विधा – बापुराव देसाई, चिंतन प्रकाशन, कानपूर.

6. हरिशंकर परसाई का व्यंग्य साहित्य –संपा. शशि शुक्ला, मेधा बुक्स, दिल्ली.

7. शरद जोशी का व्यंग्य साहित्य – डॉ. शिंदे सूर्यकान्त, पूजा पब्लिकेशन्स, कानपूर.

*****

Choice Based Credit System Syllabus (2022 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **TYBA** (Sem- VI) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code** : **354-MJE (A)**

Tittle of Course : व्यंग्य साहित्य

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)							
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8
CO 1								
CO 2								
CO 3				3				2
CO 4								
CO 5	3		2		3	2		3
CO 6		3					3	
CO 7	3							

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान संबंधित कौशल:

CO7-छात्रों में व्यंग्य साहित्य के सृजन से अनुसंधानात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

CO5-हिंदी व्यंग्य साहित्य के माध्यम से छात्रों में छुपे कौशल गुणों का विकास होकर वे व्यावसायिक क्षमता पाने हेतु प्रयास करेंगे।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता:

CO6- छात्र व्यंग्य रचनाकारों की रचनाओं से परिचित हो कर सामाजिक दायित्व के प्रति सजग हो जाऐंगे ।

PO3: सामाजिक क्षमता:

CO5-छात्रों में व्यंग्यात्मक भाषिक कौशल विकसित होकर उनमें सामाजिक क्षमता का विकास होगा।

PO4:अनुशासनात्मक ज्ञान:

CO3- छात्र व्यंग्य साहित्य के रचनात्मक विधि से परिचित होंगे।

PO5:व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता:

CO5-व्यंग्य साहित्य के माध्यम से छात्रों में छुपे कौशल गुणों का विकास होकर वे व्यावसायिक क्षमता पाने हेतु प्रयास करेंगे।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना:

CO5-हिंदी व्यंग्य साहित्य के माध्यम से छात्रों में छुपे कौशल गुणों का विकास होकर वे व्यावसायिक क्षमता पाने हेतु प्रयास करेंगे।

PO7:पर्यावरण और स्थिरता:

CO6-व्यंग्य साहित्य के अध्ययन से छात्र विभन्न समस्याओं के बारे में परिचित होकर उसका समाधान ढूँढना सीखेंगे।

PO8:आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान:

CO5-हिंदी व्यंग्य साहित्य के माध्यम से छात्रों में छुपे कौशल गुणों का विकास होकर वे व्यावसायिक क्षमता पाने हेतु प्रयास करेंगे।

CO3- छात्र व्यंग्य साहित्य के रचनात्मक विधि से परिचित होंगे।

स्नातक तृतीय वर्ष कला [TYBA] SEMISTER – VI

Major Elective – निबंध साहित्य

PAPER CODE : HIN-354-MJE(B)

[2025-26]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR TYBA

(w. e. from June, 2025)

Name of the Programme	: B.A. Hindi
Program Code	: BAHIN
Class	: T.Y.B.A.
Semester	: VI
Course Type	: Major Elective
Course Name	: निबंध साहित्य
Course Code	: HIN-354-MJE (B)
No. of Lectures	: 60
No. of Credit	: 04

A) उद्देश्य (Course Objectives):

1 छात्रों को निबंध का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप तथा उसकी विशेषताओं की जानकारी देना।

2. छात्रों को निबंध साहित्य के विविध रूपों से परिचित कराना।

3. छात्रों को निबंध साहित्य के रचनात्मक विधि से परिचित कराना।

4. छात्रों को हिंदी साहित्य के निबंध विधा की परम्परा से परिचित कराना।

5. छात्रों को हिंदी के विभिन्न निबंधकारों से परिचित कराना।

6. छात्रों को निबंध रचनाकारों की रचना का परिचय कराना।

7. छात्रों को हिंदी निबंध लेखन का उद्देश्य एवं उसकी आवश्यक की जानकारी देना।

B)अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1- छात्र निबंध विधा के अर्थ, परिभाषा, स्वरूप तथा उसकी विशेषताओं से परिचित होंगे।

CO2- छात्र निबंध साहित्य के विविध रूपों से परिचित होंगे।

CO3- छात्र निबंध साहित्य के रचनात्मक विधि से परिचित होंगे।

CO4- छात्र हिंदी साहित्य के निबंध विधा की परम्परा से परिचित होंगे।

CO5- छात्र हिंदी के विभिन्न निबंधकारों से परिचित होंगे।

CO6- छात्र निबंध रचनाकारों की रचनाओं से परिचित हो जाऐंगे ।

CO7- छात्र हिंदी निबंध लेखन का उद्देश्य एवं उसकी आवश्यक के बारे में जान पाऐंगे ।

पाठ्यक्रम

Major Elective – निबंध साहित्य

PAPER CODE : HIN-354-MJE(B)

पाठ्यपुस्तक : श्रेष्ठ निबंध – संपा. डॉ. अलोक गुप्ता, शिक्षा भारती, दिल्ली.

इकाई-1 :1. निबंध : अर्थ और परिभाषा 20 तासिकाएं

2. निबंध की स्वरुप
3. निबंध के तत्व
4. निबंध के प्रकार

इकाई-2 :1. जगत् प्रवाह - बालकृष्ण भट्ट 20 तासिकाएं

2. दाँत- प्रतापनारायण मिश्र
3. साहित्य का महत्ता – महावीरप्रसाद द्विवेदी
4. आचरण की सभ्यता – सरदार पूर्ण सिंह

इकाई-3 : 5. गेहूं बनाम गुलाब – रामवृक्ष बेनीपुरी 20 तासिकाएं

6. साहित्य और जीवन – नंददुलारे वाजपेयी
7. जमुना के तीरे-तीरे – विद्यानिवास मिश्र
8. पहला सफ़ेद बाल – हरिशंकर परसाई

संदर्भ ग्रंथ –

1. हिंदी निबंध का इतिहास – मृतुन्जय उपाध्याय,तक्षशिला प्रकाशन,नई दिल्ली.
2. आधुनिक हिंदी निबंध – संपा. गरिमा श्रीवास्तव ,नवजीवन पब्लिकेशन्स, राजस्थान.
3. श्रेष्ठ निबंध – संपा. डॉ. अलोक गुप्ता, शिक्षा भारती, दिल्ली.
4. समकालीन हिंदी निबंध – कमला प्रसाद, हरियाणा साहित्य अकादमी,चंदीगढ़ .
5. हिंदी निबंध – संपा. प्रभाकर माचवे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.
6. हिंदी निबंध की विभिन्न शैलियाँ –डॉ. मोहन आवस्थी, सरस्वती प्रेस,इलाहाबाद.
7. हिंदी निबंध लेखन – प्रो. विराज एम.,राजपाल एंड सन्स, दिल्ली.
8. हिंदी निबंध और निबंधकार – डॉ. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी.

*****

Choice Based Credit System Syllabus (2022 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **TYBA** (Sem- VI) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: 354-MJE (B)

Tittle of Course : निबंध साहित्य

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)							
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8
CO 1								
CO 2								
CO 3				3				2
CO 4								
CO 5	3		3		2	3		3
CO 6		3					3	
CO 7	3							
CO 8								

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान संबंधित कौशल:

CO7-छात्रों में निबंध साहित्य के सृजन से अनुसंधानात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

CO5-हिंदी निबंध साहित्य के माध्यम से छात्रों में छुपे कौशल गुणों का विकास होकर वे व्यावसायिक क्षमता पाने हेतु प्रयास करेंगे।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता:

CO6- छात्र निबंधकारों की रचनाओं से परिचित हो कर सामाजिक दायित्व के प्रति सजग हो जाऐंगे ।

PO3: सामाजिक क्षमता:

CO5-छात्रों में निबंध सृजन का कौशल विकसित होकर उनमें सामाजिक क्षमता का विकास होगा।

PO4:अनुशासनात्मक ज्ञान:

CO3- छात्र निबंध साहित्य के रचनात्मक विधि से परिचित होकर उनमें अनुसंधान की दृष्टि विकसित होंगी ।

PO5:व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता:

CO5-हिंदी निबंध साहित्य के माध्यम से छात्रों में छुपे कौशल गुणों का विकास होकर वे व्यावसायिक क्षमता पाने हेतु प्रयास करेंगे।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना:

CO5-हिंदी निबंध साहित्य के माध्यम से छात्रों में छुपे कौशल गुणों का विकास होकर वे व्यावसायिक क्षमता पाने हेतु प्रयास करेंगे।

PO7:पर्यावरण और स्थिरता:

CO6- निबंध साहित्य के अध्ययन से छात्र विभन्न समस्याओं के बारे में परिचित होकर उसका समाधान ढूँढना सीखेंगे।

PO8:आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान:

CO5- साहित्य के माध्यम से छात्रों में छुपे कौशल गुणों का विकास होकर वे व्यावसायिक क्षमता पाने हेतु प्रयास करेंगे।

CO3- हिंदी छात्र निबंध साहित्य के रचनात्मक विधि से परिचित होकर उनमें अनुसंधान की दृष्टि विकसित होंगी ।

स्नातक तृतीय वर्ष कला [TYBA] SEMISTER – VI

Minor – साहित्य लहरी

PAPER CODE : HIN-361-MN

[2025-26]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR TYBA

(w. e. from June, 2025)

Name of the Programme	: B.A. Hindi
Program Code	: BAHIN
Class	: T.Y.B.A.
Semester	: VI
Course Type	: Minor
Course Name	: साहित्य लहरी
Course Code	: HIN-361-MN
No. of Lectures	: 60
No. of Credit	: 04

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

1.छात्रों को हिंदी साहित्य की गद्य एवं पद्य विधाओं से परिचित करना।

2.छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि कहानीकार एवंउनकी रचनाओं से अवगत कराना।

3. छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि कवि एवं उनकी कविताओं से अवगत कराना।

4. छात्रों को साहित्य के माध्यम से नैतिक मूल्यों का ज्ञान देना।

5. छात्रों को हिंदी कहानी एवं नई कविता की विशेषताओं से परिचित कराना।

6. छात्रों को इंटरनेट, कॉम्पुटर से परिचित कराना।

7. छात्र इंटरनेट, कॉम्पुटर के साथ ही हिंदी सॉफ्टवेअर से परिचित कराना।

B)अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-छात्र हिंदी साहित्य की गद्य एवं पद्य विधाओं से परिचित होंगे।

CO2-छात्र हिंदी के प्रतिनिधि कहानीकार एवं उनकी रचनाओं से अवगत होंगे।

CO3-छात्र हिंदी के प्रतिनिधि कवि एवं उनकी कविताओं से अवगत होंगे।

CO4-छात्र साहित्य के माध्यम से नैतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त होगा।

CO5-छात्र हिंदी कहानी एवं नई कविता की विशेषताओं से परिचित होंगे।

CO6- छात्र इंटरनेट, कॉम्पुटर से परिचित होंगे।

CO7-छात्र इंटरनेट, कॉम्पुटर के साथ ही हिंदी सॉफ्टवेअरसेपरिचितहोंगे।

पाठ्यक्रम

Minor– साहित्य लहरी

PAPER CODE : HIN-361-MN

पाठ्यपुस्तक : साहित्य सौरभ

संपादक :- हिंदी अध्ययन मंडल, सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर .

प्रकाशन : दिव्य ड्रीस्ट्रीब्यूटर्स, कानपुर – 208006

इकाई-1 : पद्य साहित्य - 20 तासिकाएं

1. मोह – सुमित्रानंदन पंत
2. प्रार्थना मत कर – हरिवंशराय बच्चन
3. विधवा – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
4. जूठे पत्ते – बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
5. एक बार फिर आओ – डॉ. जयप्रकाश कर्दम

इकाई-2 :. गद्य साहित्य - 20 तासिकाएं

1. महाशुद्र (कहानी) – मोहनदास नैमिशराय
2. भोलाराम का जीव (व्यंग्य) – हरिशंकर परसाई
3. अधिकार का रक्षक (एकांकी) – उपेंद्रनाथ अश्क
4. सुभान खां (रेखाचित्र) – रामवृक्ष बेनीपुरी
5. जूठन (आत्मकथा अंश) – ओमप्रकाश वाल्मीकि

इकाई-3 : पथ्यपुस्ताकेत्तर पाठ्यक्रम 20 तासिकाएं

1. साक्षात्कार
2. विज्ञापन लेखन
3. आवेदन पत्र -
    1. नौकरी के लिए आवेदन पत्र
    2. पदाधिकारीयों के नाम पत्र

संदर्भ ग्रंथ:

1) अच्छी हिंदी कैसे सीखें -डॉ. हरदेव बाहरी
2) हिंदी भाषा शिक्षण – योगेन्द्र जीत,
3) हिंदी उच्चारण और वर्तनी – भगवतीप्रसाद शुक्ल
4) हिंदी शिक्षण – डॉ. उमा मंगल
5) भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
6) प्रयोजनमूलक हिंदी आधुनयन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख
7) हिंदी ध्वनियाँ और उसका शिक्षण – के. के. सुखिया और रामनारायण लाल

*****

Choice Based Credit System Syllabus NEP 2020, (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: TYBA (Sem-VI) **Subject**: HINDI

Tittle of Course : साहित्य लहरी **Course Code**: HIN-361-MN

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1	3			3	2					2
CO 2										
CO 3										
CO 4			3					3		
CO 5							3			
CO 6		3							2	
CO 7						3			2	

Justification for the mapping

PO1:आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच(Critical and Creative Thinking):

CO1-छात्र विभिन्न लेख, कविताएं,कहानियाँ पढ़कर रचनात्मक सोच को बढ़ावा मिल सकता है। इसके साथ ही अन्य विचारों को सुनकर और आपसी संवाद से उनकी आलोचनात्मक सोच मजबूत हो सकती है।

PO2:संचार कौशल(Communication Skill):

CO6- छात्र इंटरनेट, कॉम्पुटर के माध्यम से संचार के विभिन्न कौशल से परिचित होंगे।

PO3:बहुसांस्कृतिक क्षमता (Multicultural Competence) :

CO4-छात्रों को साहित्य के माध्यम से विभिन संस्कृतियों का ज्ञान प्राप्त होगा।

PO4:अनुसंधान कौशल (Research Skills) :

CO1-छात्र विभिन्न लेख, कविताएं,कहानियाँ पढ़कर रचनात्मक सोच को बढ़ावा मिल सकता है। इसके साथ ही अन्य विचारों को सुनकर और आपसी संवाद से उनकी आलोचनात्मक सोच मजबूत हो सकती है।

PO5:पर्यावरण जागरूकता (Environmental awareness) :

CO1-छात्र हिंदी साहित्य की गद्य एवं पद्य विधा द्वारा पर्यावरण जागरूकता के प्रति सचेत होंगे।

PO6:समस्यासमाधान क्षमताएँ- (Problem-solving Abilities) :

CO7-छात्रों को इंटरनेट, कॉम्पुटर के साथ ही हिंदी सॉफ्टवेअर से रिचित होकर तकनीकी जानकारी से समस्याएं हल करके उसका समाधान खोजने में मदत मिलेगी|

PO7:सहयोग और टीम वर्क (Collaboration and Teamwork) :

CO5-छात्र हिंदी कहानी एवं नई कविता को सामुहिक पाठ द्वारा समझकर उसकी विशेषताओं से परिचित होंगे।

PO8:मूल्य समावेशन (Value inculcation) :

CO4-छात्र साहित्य के माध्यम से नैतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त होगा।

PO9:डिजिटल और तकनीकी कौशल(Digital and technological skill:

CO6- छात्र इंटरनेट, कॉम्पुटर से परिचित होंगे।

CO7-छात्र इंटरनेट, कॉम्पुटर के साथ ही हिंदी सॉफ्टवेअर से परिचित होंगे।

PO10:सामुदायिक जुड़ाव और सेवा (Community Engagement and Service) :

CO1-छात्र हिंदी साहित्य की गद्य एवं पद्य विधाओं से परिचित होकर सामुदायिक समस्या को चित्रित कर सकते हैं|

****